

24/5

पञ्जाब ली वालते बादे रा पेश हुरी

पञ्जाब ली का भव मोहन जिहा

संरान जगन्नी राज हल रिवा

कतु सा जार्गी खाहदा भारतभु

हो जार्गी ~~का~~ ~~का~~ ~~का~~

~~का~~ ~~का~~ ~~का~~ ~~का~~ ~~का~~



तारीख  
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख  
अहकाम जो इस  
हुकम की तामील  
में जारी हुए

हुकम व अज्ञानकार के प्रार्थी की पैराल  
हुकम दिहने की नूति पर जबरन  
अज्ञान रूप से दखल बंधा कराने  
के प्रमाण दृष्ट्या प्रकरण के स  
प्रमाणित है। सुनिश्चिता का संतुलन  
की प्रार्थी के पास है ही है।  
अपूरणीय नूति का सिद्धांत की  
प्रार्थी के पास है ही है प्रकृत  
प्र. पत्र इकीकार किया जाया  
निपत्ती के प्रकृत के निरस्त  
तक अज्ञानकार के निरस्त  
किया जाया है कि वे भी जो अज्ञानकार  
की काराजी नं. 217 रकबा 0.12,  
आ. नं. 219 रकबा 0.033, आ. नं.  
1225 सीव रकबा 0.48, आ. नं.  
नं. 1382/221 रकबा 0.03, आ. नं.  
1384/221 रकबा 0.22 नूति पर  
निर्णय कार्य न करे न कराने।  
नूति पर यथा स्थिति बनाई रखी  
जावे। निर्णय सरे इजलास निरस्त  
जाकर सुनिश्चिता प्रमाण की  
प्रमाणित नूति पर प्रमाण की  
रकबा है।

सहायक कलेक्टर  
बड़ीसादड़ी